सबसे अच्छे मित्र

सबसे अच्छे मित्र

जैस्सी और जेम्स एक फार्म में पचास मवेशियों, बीस मुर्गों, चार घोड़ों और तीन कुत्तों के साथ रहते थे. लेकिन उनके पास सिर्फ एक बिल्ली थी, विलीयम.
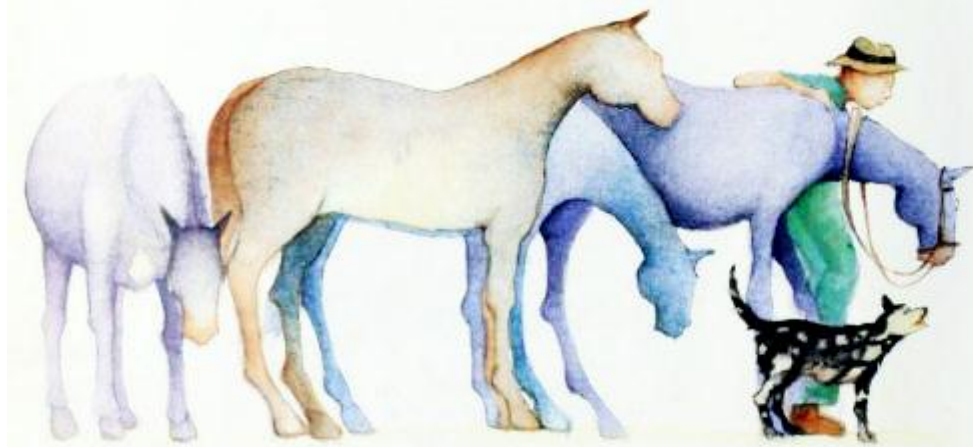
जेम्स को बिल्लियाँ पसंद थीं, लेकिन जैस्सी को नहीं. “बिल्लियाँ फर्नीचर पर अपने बाल बिखेर देती हैं,” जैस्सी ने कहा. “बिल्लियाँ मूर्ख और ज़िद्दी होती हैं,” उसने कहा. “बिल्लियाँ उतनी उपयोगी नहीं होती जितने कुत्ते होते हैं.”

क्योंकि जेम्स विलीयम से बहुत प्यार करता था, जैस्सी भी उसे प्यार करने का प्रयास करती थी. वह सुनिश्चित करती थी कि विलीयम को खाने के लिए हमेशा स्वादिष्ट मछली मिले और पीने के लिए ताज़ा दूध. कभी-कभार वह बिल्ली को ठोड़ी के नीचे खुजलाती भी थी.

लेकिन मन ही मन विलीयम जानती थी कि जैस्सी उसे पसंद न करती थी. सच में नहीं. जेम्स की तरह नहीं.

बिल्ली ध्यान रखती थी कि वह जैस्सी को अधिक तंग न करे. वह यह दिखाने का प्रयास करती थी कि बिल्लियाँ भी उपयोगी हो सकती हैं.

प्रवेश द्वार के पास एक पुराना फ्रिज रखा था जिसका उपयोग लेटरबॉक्स की तरह किया जाता था. हर दिन सुबह के समय बिल्ली डाकिये को फ्रीज़र में पत्र, मीट-ट्रे में जंक-मेल, बट्टर-बॉक्स में टेलीग्राम और बाकी हर जगह में पार्सल रखते देखती थी.

वह ज़ोर से चिल्ला कर जैस्सी को बताती थी कि डाक आ गई थी. लेकिन जैस्सी समझ न पाती कि बिल्ली क्या कहना चाह रही थी. वह बस गुस्से में कहती, “चिल्लाना बंद करो! जाओ यहाँ से, भागो!”

बिल्ली वहाँ से भाग जाती थी, वह जेम्स को ढूंढने लगती थी.

वह दोनों बहुत अच्छे मित्र थे. दोनों मिलकर खेत जोतते थे, अस्तबल साफ करते थे और मवेशियों के लिए सूखी घास के बंडल ले कर आते थे.

लेकिन बिल्ली इस बात का ध्यान रखती थी कि जब बॉस, जो एक बैल था, निकट आता तो वह ट्रक के अंदर छिप कर रहती थी.

विलीयम घर के अंदर बहुत प्रसन्न रहती थी. अँगीठी के पास उसकी टोकरी थी, किचन की मेज़ के नीचे खाना खाने के लिए दो चमकीले बाउल थे, और किचन के दरवाज़े में उसके लिए एक छोटा दरवाज़ा था ताकि इच्छानुसार वह किचन में आ-जा सके.

शाम के समय जैस्सी अपने एक सौ एक पत्र-मित्रों को पत्र लिखती थी और जेम्स टीवी देखता था. विलीयम जेम्स की गोद में आराम से बैठ जाती थी और एक इंजन की तरह घुरघुराती थी.

और देर रात में जब जेम्स और जैस्सी गहरी नींद सो रहे होते थे तो विलीयम कूद कर उनके बिस्तर पर आ जाती थी और जेम्स के पैरों के निकट सो जाती थी. जेम्स कहता था कि हर हाल में बिल्ली गर्म पानी की बोतल से बेहतर थी.

फिर अचानक एक सुबह जेम्स का निधन हो गया.

जैस्सी को जब लगता कि कोई उसे देख न रहा था तब वह खूब रोती थी. विलीयम ट्रक में रखे घास के बंडलों पर लेटे-लेटे सारा दिन बिताती थी और मवेशियों को चारा डालने के लिए जेम्स की प्रतीक्षा करती थी.

जैस्सी बहुत भुलक्कड़ और खामोश हो गई थी. वह मित्रों को कोई पत्र न लिखती थी और न ही डाक इकट्ठी करती थी, हालांकि विलीयम ऊंची आवाज़ में चिल्लाती थी. वह उसके बाउल में दूध डालना भूल जाती थी और ठोड़ी के नीचे उसे अब कभी न खुजलाती थी. लंबे समय से विलीयम ने इंजन की भांति घुरघुराया भी न था.

एक दिन उसने जैस्सी की टांगों पर अपना सिर रगड़ने का प्रयास किया था, लेकिन जैस्सी ने उसकी ओर कोई ध्यान न दिया था और न ही उसे देखा था. इसके बजाय वह सामने देखते हुए बोली थी, “सारे घर में बिल्ली की बू आ रही है. अब से तुम घर के बाहर ही रहना.”

उसने विलीयम के दोनों बाउल किचन से बाहर रख दिए थे और उसके लिए बने छोटे दरवाज़े की कुंडी बंद कर दी थी. उसकी टोकरी शैड में ट्रैक्टर के पास रख दी थी और बोली थी, “अब से तुम यहाँ सोया करोगी. शैड अच्छा गर्म है और कुछ दिनों में तुम्हें यहाँ सोने की आदत पड़ जायेगी.”

विलीयम को शैड में सोना अच्छा न लगता था. वहाँ अँधेरा था और वह वहाँ अकेली होती थी. वहाँ पेंट और पेट्रोल और खाद की बू भी आती थी.

घर से बाहर रहना विलीयम को पसंद न था. वह चीखी थी, चिल्लाई थी और उसने दरवाज़े को खरोंचा था. लेकिन लगता था कि जैस्सी न उसे सुन रही थी, न देख रही थी.

कभी-कभी जब जैस्सी किचन का दरवाज़ा खोलती थी, तो विलीयम कूद कर अंदर आ जाती थी और मेज़ के नीचे दुबक कर बैठ जाती थी. वह तब तक वहाँ बैठी रहती थी जब तक कि जैस्सी मेज़ के नीचे घुसकर, उसे खींचकर बाहर नहीं ले जाती थी.
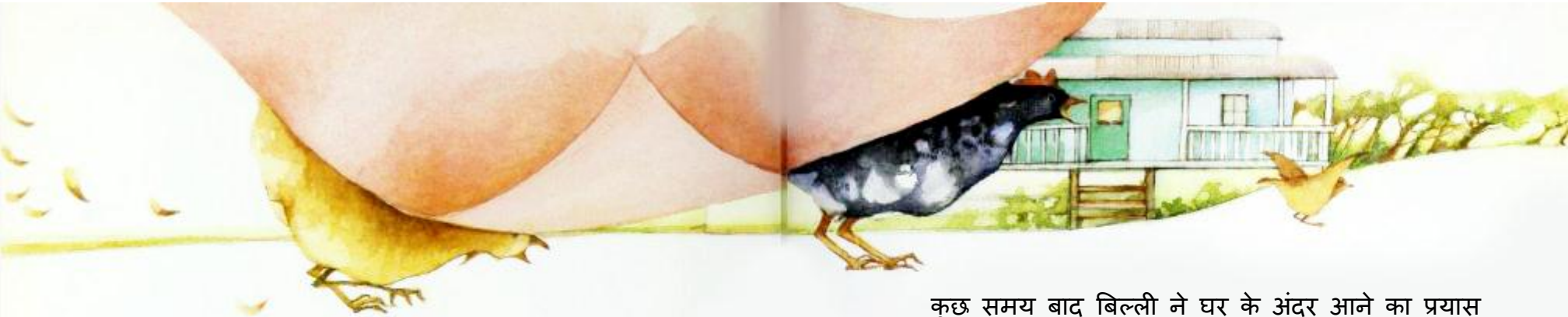
विलीयम मुर्गों का पीछा करती थी, धुले हुए कपड़े गंदे कर देती थी, बगीचे में लगी सब्ज़ियों पर लोटती थी. लेकिन लगता था कि जैस्सी न उसे सुन रही थी, न देख रही थी.

उसने जैस्सी को बताने का प्रयास किया था कि फ्रिज डाक से पूरी तरह भर चुका था. लेकिन जैस्सी ने खिड़की बंद कर ली थी, परदे आगे कर लिए थे और सारा दिन और सारी रात सिर्फ टीवी देखती रही थी.

कुछ समय बाद बिल्ली ने घर के अंदर आने का प्रयास करना बंद कर दिया था. उसने चीखना-चिल्लाना बंद कर दिया थी. ठसाठस भरे फ्रिज में डाकिये को और पत्र डालने की कोशिश करते हुए देखना उसने बंद कर दिया था. इसके बजाय वह ट्रक के अंदर पड़ी सूखी घास पर लेटी रहती थी और घर को देखती रहती थी, जिसके सारी खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद थे.

और देर रात में विलीयम गाँव के रास्तों पर घूमती थी और अन्य बिल्लियों से लड़ाई करती थी और छोटे जीवों का शिकार करती थी. वह बहुत दुष्ट और झगड़ालू बन गई थी और हर किसी से नफरत करने लगी थी.
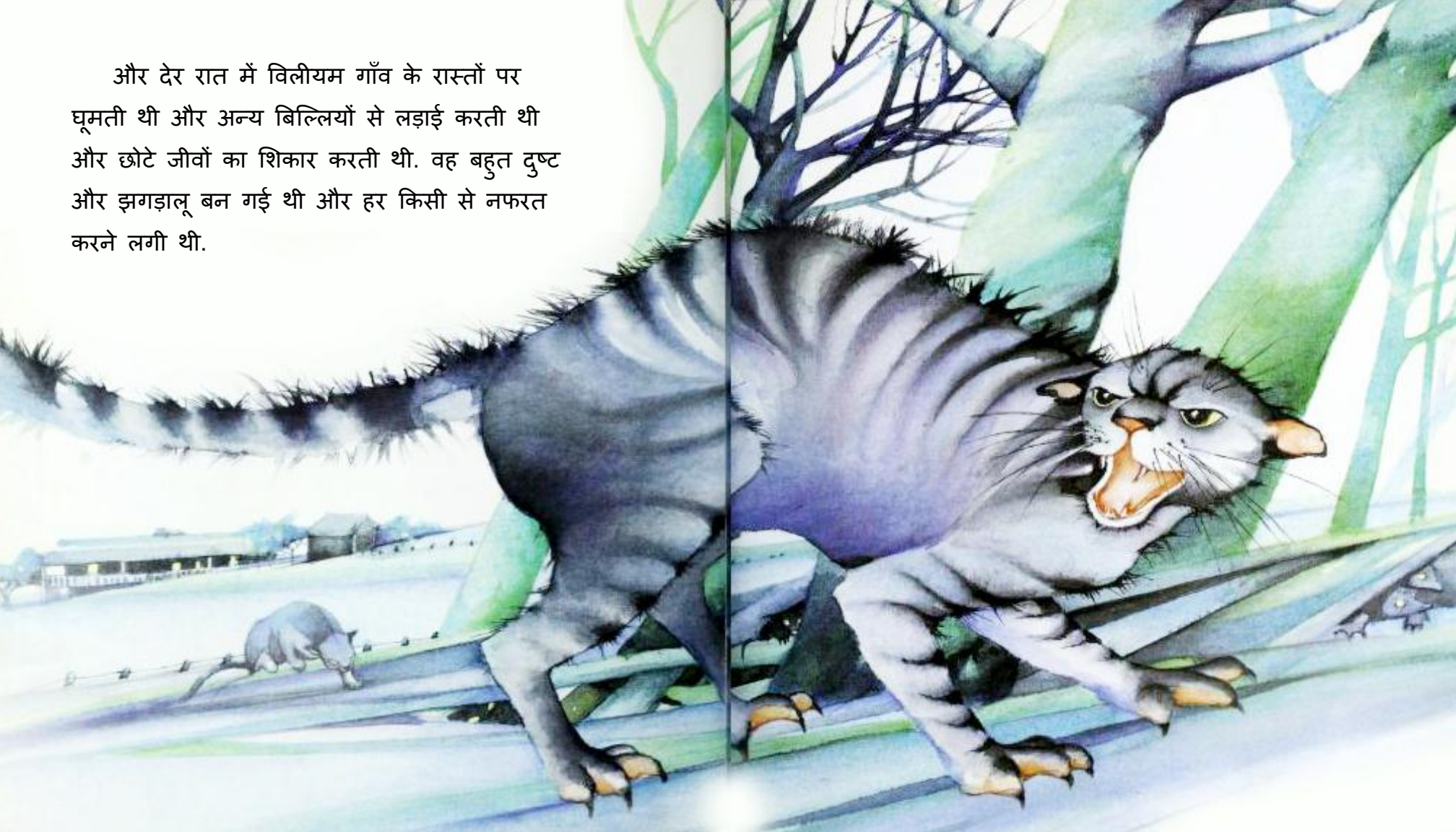
एक सुबह जब जैस्सी ने उसके बाउल में सदा की भांति बचाखुचा खाना डाला, तो विलीयम उस पर गुर्राई और उसके हाथ पर पंजा दे मारा.

जैस्सी चीखी, “आहा!” और अपने हाथ को चूसने लगी. उसने विलीयम को घूर कर देखा. “तुम ने ऐसा क्यों किया?” वह देर तक बिल्ली को घूरती रही. विलीयम बहुत झगड़ालू दिख रही थी. उसका एक कान कटा हुआ था और शरीर पर एक जगह से फर्र भी छिली हुई थी. अब वह जेम्स की बिल्ली बिलकुल न लग रही थी.

जैस्सी जब हाथ धोने और बैंड-एड लगाने के लिए किचन में गई तो उसने किचन का दरवाज़ा खुला ही छोड़ दिया. फिर उसने तीन काम किए.

सबसे पहले उसने बिल्ली के लिए बने छोटे दरवाज़े को खोल दिया.

फिर उसने विलीयम के खाने के दोनों गंदे बाउल लाकर धोये और उन्हें किचन की मेज़ के नीचे रख दिया.

अंत में उसने बिल्ली की टोकरी शैड से लाकर कमरे में अँगीठी के पास रख दी.

"मुझे क्षमा करना, मैंने तुम्हारे साथ बुरा व्यवहार किया," जैस्सी ने कहा, "लेकिन अब मुझे लगता है कि मैं अच्छा महसूस कर रही हूँ. क्या तुम मेरे पास घर में आ जाओगी? हम एक-दूसरे को जानने का प्रयास कर सकते हैं. शायद एक दिन हम सबसे अच्छे मित्र बन जायें."

लेकिन विलीयम अकड़ती हुई चली गई, उसकी आँखें चमक रही थीं और पूंछ हवा में सीधी खड़ी थी. वह ट्रैक्टर के नीचे जा बैठी और तब तक वहाँ रही जब तक जैस्सी ने आकर उसे खींच कर उठा नहीं लिया और उसे भीतर नहीं ले आई.

अब हर सुबह विलीयम डाकिये को फ्रीज़र में पत्र, मीट-ट्रे में जंक-मेल, बट्टर-बॉक्स में टेलीग्राम और बाकी हर जगह पार्सल रखते देखती है. वह ज़ोर से चिल्लाकर जैस्सी को बताती है कि डाक आ गई है. जैस्सी कहती है कि वह बहुत ही उपयोगी बिल्ली है, और पार्सल खोलने में उसकी सहायता करती है.

फिर वह और जैस्सी मिलकर खेत जोतते हैं और अस्तबल की सफाई करते हैं और फिर मवेशियों के लिए चारा लेकर आते हैं. और जब बॉस, जो एक बैल है, निकट आता है तो दोनों ट्रक के अंदर रहते हैं.

शाम के समय जब जैस्सी पत्र लिखती है तो बिल्ली उसके पास सिमट कर बैठ जाती है और इंजन की तरह घुरघुराती है. वह मन ही मन जानती है कि जैस्सी अब उसे प्यार करने लगी है.

और देर रात में जब जैस्सी गहरी नींद सो जाती है तो बिल्ली कूद कर बिस्तर में आ जाती है और उसके पाँव के पास लेट कर सो जाती है.

जैस्सी कहती है कि हर हाल में बिल्ली गर्म जुराबों से बेहतर है.

समाप्त